जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

अप्रैल-जून 2017 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-01 अंक - 03

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
  - कार्ययोजना (2017-18)
  - खरीफ फसलों पर कार्यशाला
  - वैज्ञानिक परामर्श दात्री समिति की बैठक
  - प्रशिक्षण
  - किसान मेला
- वैज्ञानिक परामर्ष दात्री समिति की बैठक
- प्रशिक्षण
- किसान मेला
- अन्य गतिविधियां
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ:
- शैक्षणिक उत्कृष्टता

संरक्षक
प्रो. व्ही.एस. तोमर
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक
डॉ. पी.के. बिसेन
संचालक विस्तार सेवायें
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक
डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल
डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. अनय रावत

निदेशक की कलम से

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं एवं कृषकों की महत्ती भूमिका है। वस्तुत: हमारी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन हेतु कृषि क्षेत्र का अहम योगदान है। आधुनिक तकनीक को अधिक से अधिक किसानों तक सुलभ कराना कृषि क्षेत्र में कार्यरत प्रत्येक तंत्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। कृषि विकास एवं कृषक समृद्धि सदैव ही प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझते प्रतीत होते हैं फलस्वरूप हमारे तंत्र का यह दायित्व है कि कृषकों को होने वाली आर्थिक क्षति को कैसे कम किया जा सके। यद्यपि फसलों की पैदावार अनेक कारकों पर निर्भर करती है जैसे- लगाई गई फसल की प्रजाति, लगाने का तरीका, फसल देखभाल, कटाई एवं गहाई का समय आदि परन्तु विपरीत परिस्थितियों के कारण होने वाली क्षति को आप अपनी वैज्ञानिक सोच एवं तकनीक के त्वरित हस्तानान्तरण द्वारा एवं शासन की नीतियों जैसे प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार प्रसार एवं फसल बीमा हेतु कृषकों को प्रेरित कर, होने वाली क्षति को कम करने में सहायक सिद्ध होकर कृषकों की आय को वर्ष 2022 तक दुगना करने के प्रधानमंत्री जी के सपने को साकार करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर सकते हैं ।

डॉ. पी.के. बिसेन
संचालक विस्तार सेवायें

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

कार्ययोजना (2017-18)

दिनांक 16-17 मई 2017 को कार्ययोजना (2017-18) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विस्तार संचालनालय में आयोजित कार्यशाला में किसानों की आय को दुगना करने हेतु (आगामी 5 वर्षों) रणनीति एवं कार्ययोजना तैयार की गई ।

खरीफ फसलों पर कार्यशाला

दिनांक 10-11 जून, 2017 को खरीफ फसलों हेतु जिलेवार, कृषकवार, फसलवार कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय कुलपति महोदय प्रो. वी.एस. तोमर के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा दिग्दर्शिका तैयार की गई ।

वैज्ञानिक परामर्श दात्री समिति की बैठक:

कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा, सीधी, होशंगाबाद, उमरिया, शहडोल, डिण्डोरी, पन्ना, छतरपुर एवं सिवनी में वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठकें विस्तार संचालनालय के वैज्ञानिकों की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें संयुक्त संचालक डॉ. एम.के. हरदहा, संयुक्त संचालक डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशंपायन उपस्थित हुये।

प्रशिक्षण

समन्वित कीट नियंत्रण विषय पर दिनांक 15-16 मई, 2017 को एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें मण्डला जिले के 20 प्रगतिशील कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया ।

दिनांक 5 से 7 जून, 2017 को चंद्रपुर, महाराष्ट्र के कृषकों को सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 40 कृषकों ने भाग लिया एवं कृषकों को कैश लेस लेनदेन का प्रशिक्षण भी दिया गया ।

दिनांक 8-9 जून, 2017 को वाटरशेड संस्थान के प्रगतिशील कृषकों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें मंडला जिले के कृषकों को खरीफ फसलों में उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 20 एवं 21 जून, 2017 को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के किसान काल सेंटर के फार्म टेली एडवाइजर के लिये खरीफ फसलों पर आधारित एक दिवसीय दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसमें 32-32 लोगों ने भाग लिया। दिनांक 29-30 जून, 2017 मंडला जिले से आये कृषकों को खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया।

किसान मेला

नर्मदा सेवा यात्रा के अंतर्गत दिनांक 16-17, अप्रैल, 2017 को वृहद किसान मेले का आयोजन किया गया जिसमें वि.वि. द्वारा उन्नत तकनीकी का प्रदर्शन किया गया एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा स्टॉल लगाये गये । दिनांक 3 मई, 2017 को विदिशा में किसान मेला आयोजित किया गया जिसमें 5000 कृषकों ने भाग लिया । दिनांक 5 मई, 2017 को बालाघाट में किसान मेला आयोजित किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

संचालक, दलहन विकास, भारत सरकार का भ्रमण

दलहन विकास संचालनालय (भारत सरकार) के संचालक डॉ. ए.के. तिवारी जी ने कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा द्वारा संचालित सीड हब कार्यक्रम के अंतर्गत कृषकों के प्रक्षेत्रों पर बीजोत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा वैज्ञानिकों से दलहनों के अधिक मात्रा में बीज उत्पादन के लिए चर्चा की। हरदा जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग की उन्नत किस्मों के जो प्रदर्शन डाले गए थे उनकी सराहना भी की । संचालक महोदय ने कृषकों के प्रक्षेत्रों पर भ्रमण किया तथा किसानों से चर्चा करते हुए प्रदर्शनों की स्थिति देखकर प्रसन्नता जाहिर की । केन्द्र द्वारा मूंग फसल के दलहन क्लस्टर प्रदर्शन ग्राम नौसर भादूगांव व आमासेल आदि में किये गए ।

ग्राम उदय से भारत उदय कार्यक्रम में के.वि.के. की भागीदारी

ग्राम उदय से भारत उदय कार्यक्रम अंतर्गत दिनॉक 15 अप्रैल से 2 मई 2017 तक कृषि महोत्सव का आयोजन हरदा जिले की सभी छः तहसीलों के विभिन्न ग्राम पंचायतों में किया गया, प्रत्येक कृषि क्रान्ति रथ के साथ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को कृषि संबंधित उन्नत तकनीक के बारे में विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। पादप सरंक्षण के अंतर्गत आगामी खरीफ फसलों में एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, चने की इल्ली, रस चूसक कीट के जैविक कीटनाशक एवं रासायनिक कीटनाशक द्वारा कीट नियंत्रण की सलाह, एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत पशुपालन, उद्यानिकी, कृषि, मछलीपालन, वानिकी के महत्व के बारे में बताया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

मा. कुलपति जी द्वारा पॉलीहाउस एवं ग्रीनहाउस का भ्रमण

दिनाँक 06 अप्रैल 2017 को माननीय कुलपति प्रो. वी.एस. तोमर, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर में भ्रमण कर ग्रीनहाऊस, पॉलीहाऊस एवं वर्मीकम्पोस्ट ईकाई का अवलोकन किया एवं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कर मृदा नमूनों के परीक्षण की प्रगति की जानकारी ली तथा मार्गदर्शन दिया।

संचालक विस्तार सेवायें द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर का भ्रमण

दिनाँक 2 मई 2016 को डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक विस्तार, जबलपुर ने केन्द्र का भ्रमण कर खरीफ मौसम में 'रेज्ड बेड पद्धति' के प्रचार प्रसार हेतु केन्द्र पर प्रदर्शन, अतंर्वर्तीय खेती को बढ़ावा देने सब्जियों में ड्रिप पद्धति से सिंचाई तथा कृषकों की आय वृद्धि हेतु मूल्य संवर्धन तथा उन्नत पशुपालन की गतिविधियों के प्रचार प्रसार संबंधित कार्यक्रमों को लियें जाने पर बल दिया।

कृषि महोत्सव- कृषक संगोष्ठी

दिनाँक 12 अप्रैल 2017 को श्री विकास नरवाल, कलेक्टर, सागर के मुख्य आतिथ्य में कृषि महोत्सव के अतंर्गत जिला स्तरीय स्टाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र एवं क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, सागर के वैज्ञानिकों ने कृषकों की आय दुगनी करने हेतु कृषि उद्यानिकी पशुपालन संबंधित जानकारी दी एवं कृषि महोत्सव के अन्तर्गत सागर जिले के विकासखण्ड बन्डा एवं जैसी नगर के 68 ग्रामों में कृषि रथ से कृषक संगोष्ठी कर कृषको को खेती किसानी से संबधित एवं मृदा परीक्षण की उपयोगिता के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

तीन दिवसीय किसान मेले सह प्रदर्शनी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र में दिनांक 26 से 28 मई, 2017 को तीन दिवसीय किसान मेले सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय श्री गौरीशंकर बिसेन, मंत्री, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, म.प्र. शासन द्वारा किया गया जिसमें विभिन्न कृषि तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई। इस मेले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य पत्रक का महत्व आदि के बारे में किसानो को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मेले का समापन माननीय श्री चौधरी चंद्रभानसिंह जी, विधायक द्वारा किया गया।

कृषि महोत्सव 2017 का आयोजन

कृषि के क्षेत्र में किसानों के द्वारा लगातार अधिक उम्मीद से ज्यादा उत्पादन लेने पर मध्यप्रदेश सरकार को लगातार पांचवी बार कृषि कर्मण अवार्ड मिला, इसका एक प्रमुख कारण सरकार द्वारा प्रतिवर्ष चलाया जा रहा कृषि महोत्सव कार्यक्रम रहा। हर वर्ष की तरह वर्ष 2017 में भी इसका आयोजन छिंदवाड़ा जिले में 15 अप्रेल 2017 से 2 मई 2017 तक किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा गांव-गांव भ्रमण कर फसल उत्पादन की नई तकनीकों जैसे सिंचाई प्रबंधन, पौध सुरक्षा, कृषि उन्नत यंत्र, संतुलित उर्वरक एवं खाद प्रबंधन, मुर्गीपालन, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि वानिकी, कृषि उद्यानिकी, भंडारण, स्वच्छ भारत अभियान तथा नकद रहित लेनदेन आदि पर विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

दिनांक 13 अप्रैल, 2017 को किसानो की आय दोगुनी करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की भागीदारी रही ।

कृषि विज्ञान केन्द्र में दिनाँक 15 मई, 2017 को खरीफ पूर्व वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक डॉ. टी.आर. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक, संचालनालय विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के

मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई जिसमे किये गये कार्यों और आगामी खरीफ 2017 की कार्ययोजना का विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिंनाक 23 मई 2017 को खेत मशीनीकरण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

कलस्टर प्रदर्शन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मूँग, अरहर एवं सोयाबीन फसल उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसके तहत केन्द्र में कृषकों को फसलवार प्रशिक्षण दिया गया। केन्द्र के वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रभारी डॉ. ब्रजेश कुमार तिवारी, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. केवल सिंह बघेल, डॉ. संजय सिंह, डॉ. ए.के. पटेल एवं श्री एम.के. मिश्रा ने मूँग, सोयाबीन एवं अरहर की उत्पादन तकनीक में कृषकों को प्रशिक्षित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा द्वारा दिनांक 5 जून, 2017 को ग्राम खोखम में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं समेत लगभग 40 कृषकों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक, डॉ. श्रीमती निर्मला सिंह ने बताया कि हमारे देश का कुल क्षेत्रफल 328.7 मिलियन हेक्टेयर है। बंजर होती जमीन 82.64 मि.हे. है। हमारा देश और प्रदेश कहीं रेगिस्तान में न बदल जाय, इसके लिए अधिकाधिक पेड़ पौधे लगाने की आवश्यकता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

किसानों की आय दुगुनी करने हेतु समस्त विभागों की बैठक का आयोजन

दिनाँक 25 मई, 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों की आय दुगुनी करने हेतु समस्त विभागों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जिले में आगामी पाँच सालों में फसलों का उत्पादन और आय को कैसे दुगुना किया जाए। इस विषय पर अलग-अलग विभागों से चर्चा की गई और सुझाव प्राप्त हुये, बैठक में कृषि विभाग, उद्यान विभाग, बीज प्रमाणीकरण, बीज निगम, पशुपालन, सैडमैप, राष्ट्रीय आजीविका मिशन इत्यादि विभागों ने भाग लिया।

कुपोषण निवारण विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र में एक दिवसीय कुपोषण निवारण विषय पर 50 ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्ता एवं सहायिकाओं के लिए एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिकों ने पोषण वाटिका लगाने के वैज्ञानिक तरीके तथा उससे प्राप्त उत्पाद से पौष्टिक व स्वादिष्ट व्यंजन कैसे बनायें विषय पर विस्तार से समझाया।

कृषक संगोष्ठी

दिनांक 24 जून 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र में माननीय श्री जयंत मलैया जी, वित्त एवं वाणिज्य कर मंत्री, मध्यप्रदेश शासन एवं मान. श्री लखन पटैल, विधायक, पथरिया के आतिथ्य में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित 250 कृषकों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं कृषि सिंचाई योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की एवं खाद्यान्न फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने की बात कही। उपस्थित कृषकों से अधिक से अधिक सहकारिता से जुड़कर किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेने पर जोर दिया, साथ ही फसलों का पंजीयन अनिवार्य करवाने की बात कही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

दिनांक 4 मई 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक विस्तार संचानालय के प्रतिनिधि डॉ. संजय वैशंपायन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। केन्द्र प्रमुख, डॉ. बी.एस. किरार ने कृषकों की आय 2022 तक दोगुनी करने हेतु केन्द्र के रोडमेप के बारे में प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति शोभा सिंह, अध्यक्ष, जनपद पंचायत, पन्ना थी। बैठक के दौरान जिले के उपस्थित अधिकारीगण, वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों ने अपने-अपने सुझाव दिये।

मूंग फसल पर क्लस्टर प्रदर्शन

बुन्देलखण्ड क्षेत्र अंतर्गत पन्ना जिले में गर्मी में ग्रीष्म कालीन फसलों (दलहन) की खेती के प्रोत्साहन हेतु वर्ष 2017 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत 10 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग के क्लस्टर प्रदर्शन आयोजित किये गये। उक्त प्रदर्शन का आयोजन पन्ना जिले के ग्राम बिरवाही एवं पड़ेरी में 25 कृषकों के प्रक्षेत्र पर किया गया। प्रदर्शन में कृषकों को उन्नतशील प्रजाति (पी.डी.एम.-139) का बीज, वीटावेक्स पावर, थायोमेथाक्जाम, राइजोबियम एवं पी.एस.बी. जैव उर्वरक, नींदानाशक एवं कीटनाशक दवा इत्यादि प्रदान किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

कृषि महोत्सव का विमोचन कठोतिया ग्राम में कृषक संगोष्ठी के आयोजन से शुरु किया गया। जिसमें नरसिंहपुर विधानसभा के माननीय विधायक श्री जालमसिंह पटैल, जिला अध्यक्ष श्री संदीप सिंह पटैल एवं अध्यक्ष, केन्द्रीय जिला सहकारी बैंक, श्री वीरेन्द्र फौजदार जी के साथ ही 400 कृषकों की उपस्थिति रही।

कृषि संसद एवं संगोष्ठी

दिनांक 26-27 अप्रैल, 2017 को कृषि महोत्सव के तहत ए.पी.सी. श्री पी.सी. मीणा, जिला कलेक्टर डॉ. आर.आर. भोंसले एवं विधायक श्री जालमसिंह पटैल की उपस्थिति में विकासखण्ड करेली गोटेगांव, सांइखेड़ा में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम करताज, धमना के लगभग 4500 किसान व 15 गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन दिया।

एक दिवसीय कार्यशाला

नमामि देवी नर्मदे वृक्षारोपण की तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 मई 2017 सहायक संचालक उद्यानिकी व कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा पी.जी. कॉलेज में किया गया। जिसमें 109 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें वैज्ञानिकों डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. एस.आर. शर्मा एवं डॉ. विकास जैन का सराहनीय योगदान रहा।

कृषक श्री राव गुलाब सिंह द्वारा मसूर का रिकार्ड उत्पादन

नरसिंहपुर के कृषक श्री राव गुलाब सिंह, ग्राम नन्हेगांव (करकबेल) विकासखण्ड गोटेगांव द्वारा मसूर की उन्नत प्रजाति जे.एल.-3 के प्रमाणित बीज को जड़वा कतार में बोनी करने के पश्चात् 20 फुट की दूरी पर पूर्व से पश्चिम दिशा में रस्सी खींच कर हाथ से सिंचाई की सरसों में 15 दिन पश्चात् सरसों की कतार से एक फिट दूरी रखते हुये अन्य पौधों को उखाड़ दिया इससे मसूर की फसल में कीट-व्याधियों एवं शीतलहर के दुष्प्रभाव से बचाव हुआ एवं सरसों में माहू के प्रकोप में कमी आयी। जिसमें प्रति एकड़ 11 क्विं. उत्पादन हुआ जो 4500/- रू. /क्विं. की दर से कुल रूपये 44,500 की आय प्राप्त हुई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

खेत मशीनीकरण पर कार्यशाला संपन्न

म.प्र. स्टेट एग्रो एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में खेत मशीनीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन केन्द्र के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन के सभागार में दिनांक 24 मई 2017 को सम्पन्न हुई जिसमें एम.पी.एग्रो के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री खरे, उपसंचालक, कृषि श्री साहू, आत्मा परियोजना से श्री सिंह एवं केन्द्र के प्रभारी डॉ. गौतम, डॉ. मेश्राम, इंजी. आर.के. स्वर्णकार, श्री सूर्यवंशी, श्री डी.पी. सिंह ने कृषकों को आय को दुगुना करने हेतु मशीनीकरण का लाभ पर चर्चा की। कार्यशाला में जिले से 120 कृषकों ने भाग लिया।

कृषक सशक्तिकरण- राष्ट्रीय कार्यशाला

जनजातीय क्षेत्रों में किसानो के सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में 7-8 जून 2017 को संपन्न हुई जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र का स्टाल लगाया गया जिसका अवलोकन केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने किया और सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कृषक को उपयोगी कार्य किये जाने चाहिए जिससे कृषकों को उत्पादन का उचित मूल्य मिल सके।

शैक्षणिक उत्कृष्टता

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला मे पदस्थ कृषि वैज्ञानिक, श्री विशाल मेश्राम को महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना द्वारा कृषि विस्तार विभाग, कृषि संकाय से म.प्र. के बालाघाट जिले के कृषकों द्वारा धान की उन्नत सघनीकरण विधि (श्री) के अंगीकरण में तकनीकी अंतर (समस्याएँ) का अध्ययन पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, बालाघाट के छात्रों द्वारा RAWE कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, मंडला के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

कृषि संसद एवं ग्राम स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन

जिले के ग्राम बोरी विकासखण्ड लालबर्रा में प्रदेश के कृषि मंत्री माननीय श्री गौरीशंकर जी बिसेन के मुख्य आतिथ्य में कृषि संसद एवं ग्राम स्तरीय कृषि संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में माननीय कृषि मंत्री जी के कृषकों को अपनी आय दोगुनी करने हेतु बतायी जा रही वैज्ञानिक पद्धतियों पर कार्य करने की सलाह किसानों को दी ताकि लागत को कम करते हुये उत्पादन को बढ़ाया जा सके, साथ ही सुगन्धित धान चिन्नौर एवं जीराशंकर का जैविक उत्पादन करने हेतु कृषकों को प्रोत्साहित किया।

जिला स्तरीय कृषि मेले का आयोजन

जिला स्तरीय कृषि मेले का आयोजन कृषि महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। जिसमें जिले के सभी विकासखण्डों के कृषकों ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम में लगभग 5,000 कृषकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, माननीय श्री गौरीशंकर बिसेन थे। कार्यक्रम जिले के विधायकगण डॉ. योगेन्द्र निर्मल, वारासिवनी एवं श्री के.डी. देशमुख, कंटगी अन्य जनप्रतिनिधीगण एवं डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

विस्तार कार्यकर्ताओं एवं सहकारी समिति के प्रबंधकों का स्टाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम

जिले के कृषि विभाग के समस्त अधिकारीगण एवं सहकारी समितियों के प्रबंधकों का एक दिवसीय खरीफ पूर्व स्टाफ प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विभाग द्वारा आयोजित किया गया जिसके कृषि विस्तार अधिकारियों, ग्रामीण विस्तार अधिकारियों, सहकारी समिति प्रबंधको को खरीफ फसलों मुख्यत: धान एवं अरहर की उत्पादन तकनीक बताई एवं कृषि आदानों के रख रखाव एवं संतुलित उपयोग की जानकारी वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की गयी। कार्यक्रम में बीज की गुणवत्ता एवं उर्वरकों की गुणवत्ता के बारे में भी प्रशिणार्थियों को बताया गया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 250 अधिकारियों एवं प्रबंधकों ने सहभागिता दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

तीन दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी द्वारा दिनांक 28-30 जून 2017 तक युवा महिला व कृषकों के लिये तीन दिवसीय मशरुम उत्पादन तकनीकी विषय पर नि:शुल्क रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें जिले के नवयुवक एवं युवतियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया व लाभांवित हुये। प्रशिक्षण, अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा मशरुम उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में प्रदान किया गया व साथ

ही साथ प्रायोगिक ज्ञान भी दिया गया। प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। प्रशिक्षण वरिष्ठ वैज्ञानिक व केंद्र प्रमुख, डॉ. ए.के. तोमर के मार्गदर्शन व केंद्र के वैज्ञानिकों डॉ. आर.के मिश्रा, डॉ. पी.के. गुप्ता, डॉ. आर.पी. बेन व श्री जे.बी श्रीवास्तव की उपस्थिति व सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

क्लस्टर प्रदर्शन खरीफ 2017

कृषि विज्ञान केन्द्र , कटनी द्वारा 15-25 जून 2017 तक क्लस्टर प्रदर्शन खरीफ 2017 के अंतर्गत प्रशिक्षण व बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके तहत् 6 ब्लॉक के 10 गांवो के 300 कृषक लाभन्वित हुये। कार्यक्रम में अरहर किस्म टीजेटी 501 के बीज कृषकों

को 50 हे. में लगाये जाने के लिये बांटे गये व उन्नत तकनीक द्वारा अरहर की खेती करने के लाभ बताये गये।

कृषि यंत्रीकरण पर कार्यशाला

दिनांक 30 जून 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी व एम.पी. एग्रो के संयुक्त तत्वधाान में वरिष्ठ वैज्ञानिक व केन्द्र प्रमुख डॉ. ए.के. तोमर के नेतृत्व में कृषि यंत्रीकरण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 10 ग्रमो के 110 कृषक लाभांवित हुये। डॉ. ए.के . तोमर द्वारा कृषि यंत्रीकरण द्वारा फसल उत्पादन पर प्रभाव व उपयोगिता बतायी गयी। कार्यशाला में जिले के उपसंचालक कृषि, श्री ए.पी. सुमन के साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित हुये। उक्त कार्यक्रम में 110 कृषकों द्वारा स्वच्छता शपथ-पत्र भरवाने के साथ ही उन्हे स्वच्छता के प्रति जागरुक करावया गया व स्वच्छता अपनाने की शपथ दिलायी गयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

कुपोषण पर प्रशिक्षण

आंगनवाड़ी केंद्र (तिवारी खेडा) में कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती (एनेमिक) महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 जून 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र, जबलपुर की वैज्ञानिक डॉ. रश्मि शुक्ला एवं डॉ. नीलू विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस - स्वच्छ भारत पखवाड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2017) के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर के.वि.के. के प्रमुख डॉ. डी.पी.

शर्मा, डॉ. मोनी थॉमस, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. प्रमोद शर्मा आदि उपस्थित रहे

स्वच्छ भारत पखवाड़ा 16-31 मई 2017 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वच्छ भारत हेतु स्वछता शपथ कार्यक्रम एवं साफ सफाई जागरुकता अभियान का आयोजन किया एवं प्लास्टिक पॉलिथीन बैग्स के स्थान पर पेपर बैग्स के इस्तेमाल हेतु प्रोत्साहन दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण परियोजना अंतर्गत दिनांक 19 अप्रैल 2017 को चम्पारण बिहार में माननीय श्री राधामोहन जी, कृषि मंत्री (भारत सरकार) के द्वारा टीकमगढ़ जिले के 12 कृषकों को पुरस्कृत किया गया जिसमें रूपये एक लाख एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रत्येक कृषक को प्रदाय किया गया। साथ ही इन कृषकों को माननीय

श्री शिवराजसिंह चौहान जी, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के द्वारा दिनांक 7 मई 2017 को आयोजित किसान मेला जिला टीकमगढ़ में सम्मानित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

दिनांक 16-31 मार्च 2017 तक 'स्वच्छ भारत मिशन' के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा चलाया गया। इसमें केन्द्र के सभी वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

कृषकों की आय दुगना करने हेतु रोडमैप

दिनांक 14 अप्रैल 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया में जिले के कृषकों की आय दुगना करने हेतु जिला पंचायत उमरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री एच.एस. मीणा, उपसंचालक कृषि, उमरिया जिला शिक्षा अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी फारेस्ट तथा अन्य विभागों के जिला प्रमुख एवं मैदानी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई इस बैठक में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.पी. तिवारी एवं वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे ने जिले के कृषकों की आय दुगना करने के लिये बनाये गये रोडमैप का पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन दिया गया, वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एच.एस. मीणा ने ग्राम उदय से भारत उदय कार्यक्रम मे नवाचार करने की बात कही। बैठक मे जिले भर के कुल 50 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

टी.एस.पी. पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

अटारी, जोन-7, जबलपुर के संचालक डॉ. अनुपम मिश्रा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में उमरिया के विश्व प्रसिद्ध नेशनल पार्क बांधवगढ़ (ताला) में दिनांक 30-31 मई 2017 को अटारी जोन-7 के तीनों राज्य मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा के आदिवासी बाहुल्य जिले के कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला मे तीनों राज्य के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने जिले में आदिवासियों हेतु किये गये कार्यों को प्रस्तुत किया एवं आगामी वर्ष मे किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

तीन दिवसीय मेले में वैज्ञानिकों की सहभागिता एवं प्रदर्शनी

उमरिया जिले में 24-26 मई 2017 में हुये तीन दिवसीय किसान मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया द्वारा प्रदर्शनी के रूप में जिले से आगंतुक कृषकों के लिये केंचुॅआ खाद उत्पादन इकाई, अजोला उत्पादन इकाई, वर्मीकम्पोस्ट, हरी खाद सनई एवं पाला से सुरक्षित अरहर प्रजाति टी. जे.टी. 501 का प्रदर्शनी के रूप में दिखाया गया एवं तीन दिवसीय मेले में आगंतुक कृषकों को तकनीकी विषय पर वैज्ञानिकों ने आगंतुक कृषकों एवं मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। मेले में कृषकों की संख्या प्रतिदिन लगभग 5,000 रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

कृषक एवं महिला कृषक प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी द्वारा माह अप्रैल 2017 से जून 2017 तक कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण का आयोजन विविध विषयों यथा सस्य विज्ञान, गृह विज्ञान, पौध संरक्षण एवं पशुधन प्रबंधन पर दिया गया जिसमें कुल 243 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सेवारत प्रसार कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी द्वारा अप्रैल 2017 से जून 2017 के त्रैमास में 3 प्रशिक्षण यथा खरीफ की दलहनी फसलों में जैविक रोग

प्रबंधन, वर्ष पर्यन्त हरे चारे की उपलब्धता एवं दुग्धोत्पादन पर इनका प्रभाव तथा कुपोषण के विभिन्न आयाम एवं उनके रोकथाम के उपाय विषयक आयोजित किये गये जिसमें विभिन्न विभागों के कुल 56 सेवारत मैदानी विस्तार कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

कृषि महोत्सव

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी में कृषि महोत्सव के अंतर्गत ग्राम पंचायतवार 6 कृषक संगोष्ठियों का आयोजन दिनांक 15 अप्रैल 2017 से 2 मई 2017 तक किया गया, इसमें 150 ग्राम पंचायत के अंतर्गत 9,000 कृषकों ने भाग लिया।

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला दिनांक 20 मई 2017 को आयोजित किया गया जिसमें नगरीय विकास मंत्री माया सिंह, सांसद मान. फग्गन सिंह कुलस्ते, मान. गौरीशंकर बिसेन, मंत्री किसान, कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मान. ओमप्रकाश धुर्वे, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, मान. ओमकार मरकाम, मान. ज्योति प्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं समस्त जनप्रतिनिधि एवं जिले के विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि विज्ञान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

जैविक खेती पंजीकरण अभियान

दिनांक 18 से 29 मई 2017 तक विकासखण्ड, डिण्डौरी मेहदवानी समनापुर, अमरपुर, बजाग, करंजिया एवं शहपुरा में जैविक खेती पंजीकरण अभियान का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किया गया। इस अभियान के तहत खरीफ तक लगभग 10,000 कृषकों का पंजीकरण होना है ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

छतरपुर के कृषकों का सम्मान

देश में परम्परागत खेती को बढ़ावे देने के उद्देश्य से केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण का गठन किया है। यह प्राधिकरण परम्परागत खेती, परम्परागत देशी बीजों के उपयोग, जैविक खाद की दिशा में कार्य कर रहा है इसके अंतर्गत देशी बीजों से अच्छा उत्पादन लेने वाले कृषकों के लिये ''जीनोम संरक्षण कृषक सम्मान'' शुरू किया है इसमें मध्यप्रदेश के 18 कृषकों को सम्मानित किया गया है। इनमें 18 कृषक बुंदेलखण्ड क्षेत्र के हैं और इनमें से 6 कृषक कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर के माध्यम से आमंत्रित किये गये थे। कृषकों को सम्मान समारोह में केन्द्रीय कृषि मंत्री, माननीय श्री राधा मोहन सिंह जी ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और 1 लाख रूपये देकर सम्मानित किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

माननीय कृषि मंत्री द्वारा मुदा परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण

माननीय कृषि मंत्री, म.प्र. शासन श्री गौरीशंकर बिसेन एवं श्रीमती प्रमिला सिंह, विधायक जयसिंहनगर द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र, शहडोल की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला एवं उच्च सघन तकनीक पर आधारित आम के बगीचा का अवलोकन किया गया।

कृषि विज्ञान मेला

ग्राम उदय से भारत उदय के अंतर्गत कृषि महोत्सव 2017 में दिनांक 30 अप्रैल से 2 मई 2017 को जिला स्तरीय त्रिदिवसीय कृषि विज्ञान मेला में कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारियां प्रदान की गयी।

संभागीय स्तरीय कार्यशाला

एम.पी. एग्रो. द्वारा खेत मशीनीकरण पर संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, शहडोल में दिनांक 31 मई 2017 को किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, होशंगाबाद

कृषि महोत्सव अंतर्गत वैज्ञानिकों ने किसानों को दी तकनीकी सलाह

कृषि महोत्सव (15 अप्रैल से 02 मई 2017) शासन की मंशानुसार जिले के विभिन्न विकासखण्डों के 120 ग्रामों में लगभग 5640 कृषकों एवं महिला कृषकों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि तकनीकों से लाभन्वित किया। साथ ही कृषि महोत्सव के अंतर्गत किसान संगोष्ठी, किसान मेला, कृषि संसद, प्रदर्शनी आदि में अपनी सहभागिता दी। इनके अंतर्गत गेहूं, धान, चना, अरहर, मूंग, मक्का, उरद, उद्यानिकी फसलें, नेटहाउस, पालीहाउस, वर्मी कम्पोस्ट, बीजोपचार, नरवाई न जलाना, नील हरी शैवाल, पी.एस.बी. कल्चर, जैव उर्वरक, हरी खाद, एजोला उत्पादन तकनीक, हाईब्रिड किस्में, संरक्षित खेती, सघन बागवानी, नाडेप, मृदा नमूने एकत्रीकरण, रेज्ड बैड प्लांटर, कृषि में महिलाओं की भागीदारी एवं उन्नत मशीनें, कुक्कुट पालन, पशुपालन, कुपोषण से बचाव हेतु पोषक आहार, खाद्य प्रसंस्करण, आदि की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. डी.के. पहलवान के मार्गदर्शन में केन्द्र के वैज्ञानिकों डॉ. दीपाली वाजपेयी, डॉ. संध्या मुरे,

डॉ. संजीव वर्मा एवं डॉ. ऋचा सिंह का सहयोग रहा ।

केन्द्र में वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

दिनांक 9 मई 2017 को केन्द्र प्रमुख, डॉ. डी.के. पहलवान के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता, डॉ. टी.आर. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने की। डॉ. दीपाली बाजपेयी द्वारा वर्ष 2016-17 में किये गये कार्यों का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी वर्ष 2017-18 में किये जाने वाले कार्यों की योजना प्रस्तुत की गई।

बैठक में श्री. बी.एल. बिलैया, संयुक्त संचालक कृषि ,श्री जे.एस. गुर्जर उप संचालक कृषि, श्री एम.एल. उइके, उपसंचालक उद्यानिकी,

श्री एम.एल. दिलवारिया, परियोजना संचालक आत्मा के साथ ही पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, केन्द्रीय मत्स्य प्रशिक्षण केन्द्र, रेशम पालन विभाग आदि से विभिन्न परियोजना अधिकारी सहित प्रगतिशील कृषक भी उपस्थित थे। इस बैठक में 21 नामित सदस्यों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल द्वारा दिनांक 16 से 31 मई 2017 तक स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र के आसपास के ग्रामों मिलानपुर, सोहागपुर, बैतूल बाजार आदि में कृषकों के मध्य स्वच्छता

के प्रति जागरुकता की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त गांव के स्कूल के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली।

वृक्षा रोपण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में चतुर्थ वर्ष के रावे (Rural Agricultural Work Experience) के छात्रों द्वारा दिनांक 2 जुलाई 2017 को म.प्र. शासन द्वारा चलाए गये वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के

अंतर्गत हिस्सा लिया एवं फलों व औषधीय पौधे लगाये । वृक्षारोपण कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के. वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

बुक-पोस्ट
मुदित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय

अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004, भारत

Tele-fax: 0761-2681710
E-mail: desjnau@rediffmail.com
www.jnkvv.org

प्रति, _____

_____

_____